एम.ए. (पूर्वार्द्ध)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक: 100
समय: 3 घंटे

प्रश्न-पत्र - तृतीय

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अति लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रश्नों के (लगभग 100-150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 35 अंक का होगा।
3. खंड "अ" और "आ" दोनों खण्डों से कम-से-कम दो-दो और कुल मिलाकर पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जिनमें से प्रत्येक खंड से कम-से-कम एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

पाठ्य विषय

खण्ड-अ : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका .
   - क. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
   - ख. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
   - ग. हिंदी साहित्य का इतिहास: काल-विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल
   क. नामकरण और सीमा ख. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ग. वर्गीकरण: सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य घ. आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ ङ. गद्य साहित्य च. प्रतिनिधि रचनाकार
3. हिंदी साहित्य का भक्तिकाल
   - क. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक:
   - ख. भक्ति आंदोलन
   - ख. विभिन्न काव्य धाराएं : वैशिष्ट्य और अवदान
   - ग. संत काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान — सूफी काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान
     राम काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान — कृष्ण काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान
   - घ. गद्य साहित्य; भक्तिकालीन काव्य की उपलब्धियां; प्रतिनिधि साहित्यकार
4. हिंदी साहित्य का रीतिकाल
   क. नामकरण ख. परिवेश: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ग. दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रन्थों की परम्परा घ. विभिन्न काव्य धाराएं; रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध ङ. काव्यधाराओं की विशेषताएं च. गद्य साहित्य छ. प्रतिनिधि रचनाकार

खण्ड आ: आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

1. आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्वपीठिका
   क. परिवेश: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ख. 1857 ई० की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेंदु युग: रचनाकार और साहित्यिक विशेषताएं
3. द्विवेदी युग: प्रतिनिधि रचनाकार एवं साहित्यिक विशेषताएं
4. छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार और साहित्यिक विशेषताएं
5. उत्तर छायावादी काव्य
   - प्रगतिवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - प्रयोगवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - नयी कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - नवगीत : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - समकालीन कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
6. हिन्दी गद्य की निम्नलिखित विधाओं का विकास
   कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास
8. दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
9. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

आधुनिक हिन्दी कविता

पूर्णांक: 100
समय: 3 घंटे

पाठ्य विषय

1.	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन	"अज्ञेय" नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, मैंने देखा – एक बूंद, सोन मछली, सत्य तो बहुत मिले, खुल गयी नाव।
2.	गजानन माधव मुक्तिबोध	"अंधेर में" मुक्तिबोध की प्रतिनिधि कविताएँ।
3.	नागार्जुन	चंदू, मैंने सपना देखा, बाकी बच गया अंडा, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, बादल को घिरते देखा है, तीन दिन तीन रात, मास्टर!, आओ रानी हम ढोएँगे पालकी, तीनों बंदर बापू के, सत्य।

एम०ए० हिंदी (उत्तरार्द्ध)

हिंदी नाटक और रंगमंच

प्रश्न-पत्र–पंचम

विकल्प–द्वितीय

समय: 3 घण्टे
पूर्णांक: 100

नोट:

1. प्रथम प्रश्न में से 'खण्ड क' में निर्धारित सभी छः नाट्य–कृतियों में से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी और पूरा प्रश्न तीस अंकों का होगा।
2. खण्ड–क में निर्धारित किन्हीं चार नाट्यकृतियों पर चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा।
3. षष्ठ प्रश्न में 'खण्ड–ख द्रुत पाठ' से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों के (लगभग 250 शब्दों में) उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
4. सप्तम प्रश्न 'खण्ड ख' के 'पाठ्य विषय' पर आधारित होगा। इसमें दस अति लघूत्तरी अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा, पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।

पाठ्य ग्रंथ

1. भारत दुर्दशा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. अजातशत्रु–जयशंकर प्रसाद
3. लहरों के राजहंस–मोहन राकेश
4. अंधायुग–धर्मवीर भारती

एम.ए. हिंदी (उत्तरार्द्ध)
प्रथम प्रश्न-पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100

निर्देश :

1. पहले प्रश्न में खण्ड 'क' (I) में निर्धारित कवियों से संबंधित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की व्याख्याएं करनी होंगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी तथा पूरा प्रश्न दस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'क' (II) में निर्धारित आलोच्य विषयों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 15-15 अंकों का होगा।
3. छठे प्रश्न में खण्ड 'ख' से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पांच प्रश्न (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
4. सातवें प्रश्न में दस अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में), देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

पाठ्य विषय

खण्ड 'क'– व्याख्या एवं आलोचना के लिए निम्नलिखित रचनाकार/रचनाएं निर्धारित हैं:–

व्याख्या के लिए निर्धारित अंश

1. **चन्दवरदायी:** पृथ्वीराज रासो का पद्मावती समय, सम्पादक–हरिहरनाथ टंडन
   चन्दवरदायी–पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, वस्तु वर्णन, पद्मावती का काव्य सौन्दर्य
2. **विद्यापति**
   विद्यापति–भक्त और शृंगारी, सौन्दर्य वर्णन, शृंगार वर्णन, गीतियोजना, भाषा
   विद्यापति की पदावली: सम्पादक–रामवृक्ष बेनीपुरी
3. **कबीर**
   सामाजिक विचारधारा, धार्मिक चिन्तन, कबीर के राम, भक्ति–भावना, प्रासंगिकता, भाषा
   कबीर: सम्पादक–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
   (क) पाठ्य साखियाँ
   (ख) पाठ्य पद

एम.ए. हिंदी (उत्तरार्द्ध)
प्रथम प्रश्न–पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100

निर्देश :

1. पहले प्रश्न में खण्ड 'क' (I) में निर्धारित कवियों से संबंधित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की व्याख्याएं करनी होंगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी तथा पूरा प्रश्न दस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'क' (II) में निर्धारित आलोच्य विषयों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 15-15 अंकों का होगा।
3. छठे प्रश्न में खण्ड 'ख' से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पांच प्रश्न (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
4. सातवें प्रश्न में दस अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में), देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

पाठ्य विषय

1. **सूरदास:** भ्रमरगीत सार–सम्पादक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

   भक्ति–भावना, शृंगार वर्णन, भ्रमरगीर परम्परा, सूर के भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य, सहृदयता और भावुकता, सूर की राधा, रीतितत्व।

   पाठ्यपद–21 से 70 = 50 पद

2. **तुलसीदास**

   भक्ति–भावना, सामाजिक, सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल की भावना, तुलसीदास की सार्थकता, मानस की प्रबन्ध कल्पना।

   रामचरित मानस: उत्तरकाण्ड (81 - 130 = 50 दोहे–चौपाइयाँ)

3. **बिहारी:** बिहारी रत्नाकर–सम्पादक: जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

   मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी, सतसई परम्परा और बिहारी, शृंगार वर्णन, सौन्दर्य बोध, बहुज्ञता।

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित कवि

अमीर खुसरो, जायसी, रैदास, मीराबाई, रसखान, नन्ददास, दादू, रहीम, भूषण, घनानन्द = 10 कवि

एम०ए० हिंदी (उत्तरार्द्ध)

हिंदी नाटक और रंगमंच

प्रश्न-पत्र–पंचम

विकल्प–द्वितीय

समयः 3 घण्टे
पूर्णांकः 100

नोटः

1. प्रथम प्रश्न में से 'खण्ड क' में निर्धारित सभी छः नाट्य–कृतियों में से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी और पूरा प्रश्न तीस अंकों का होगा।
2. खण्ड–क में निर्धारित किन्हीं चार नाट्यकृतियों पर चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा।
3. षष्ठ प्रश्न में 'खण्ड–ख द्रुत पाठ' से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों के (लगभग 250 शब्दों में) उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
4. सप्तम प्रश्न 'खण्ड ख' के 'पाठ्य विषय' पर आधारित होगा। इसमें दस अति लघूत्तरी अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा, पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।

(क) नाटक

एक सत्य हरिश्चन्द्र–डॉ० लक्ष्मीनारायण लाल

एक कंठ विषपायी–दुष्यंत कुमार

(ख) रंगमंच

नाट्य अध्ययन का स्वरूप

नाटक का विधागत वैशिष्ट्य

नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध

नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन

नाट्य भेद

भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)

पारंपरिक नाट्य रूप–रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी आदि।

हिन्दी नाटक का संक्षिप्त इतिहास–विकास

हिन्दी रंगमंचः लोक–नाट्य, (व्यावसायिक–अव्यावसायिक)

पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा